उपवाचक - 1. शांति की राह में

प्रश्नोत्तर : -

1. शांति की परिभाषा क्या हो सकती है? अपने शब्दों में बताइए?

उ. मन को नियंत्रित कर उसे बुराई के रास्ते पर चलने से रोकना ही वास्तविक 'शांति' है। मानसिक सुख की प्राप्ति ही शांति है। यदि हमारे पास दुनिया का सारा वैभव और सुख साधन उपलब्ध है परंतु शांति नही है तो वैसे सुख साधन व्यर्थ है। यदि शान्ति एवं संतोष है तो हमारे दुःख पीडा, लालच एवं स्वार्थ का अपने आप ही अंत हो जाता है।

2. नेल्सन मंडेला के जीवन से हमें क्या संदेश मिलता है?

उ. न्याय समानता और सम्मान के लिए किए जाने वाले संघर्ष के प्रतीक नेल्सन मंडेला का व्यक्तित्व हमारे लिए प्रेरणास्पद है उनका बलिदान इतना जबरदस्त था कि वे जगह-जगह मानवीय प्रगति के लिए लोगों को जो भी वे कर सके करने की प्रेरणा देते थे । हमारी दुनिया को अक्सर जो असहायता और निराशा घेर लेती उसके बिल्कुल विपरित उनके जीवन की कहानी है। इस प्रकार उनके जीवन से अन्याय, रंगभेद के विरूध्द आवाज उठाने, संघर्ष से लडने, अहिंसा, शांति, सेवाभाव भाईचारे का संदेश मिलता है।

3. मदर तेरेसा ने अपने जीवन में क्या सिद्ध कर दिखाया ?

उ.

मदर तेरेसा एक ऐसा नाम है, जो शांति, करुणा, प्रेम और वात्सल्य का पर्याय कहलाता है। मदर तेरेसा का सपना था कि अनाथों, गरीबो, और रोगियो की सेवा करना।उसके लिए उन्होंने

मिशनरीज ऑफ चारिटि और 'निर्मल हृदय' नामक संस्थाओं की स्थपना की। उन्होंने अपना सारा जीवन गरीब, अनाथ और बीमार लोगोकी सेवा करते हुए बिताया। उन्हेने सिध्द कर दिखाया कि दुखियो की सहायता से बडाकोई धर्म नहीं है। मानव सेवा करने के कोई अपना- पराया देश नही है। अनथो, गरीबो,रोगियो की सेवा ही सही अर्थ में जीवन की सार्थकता है।

प्र.4. प्रार्थना करने वाले होठों से कही अच्छे सहायता करने वाले हाथ है।

उ.मानव सेवा ही माधव सेवा है। दीन-दु:खियो की सेवा ही भगवान की सेवा और आराधना होती है। ईश्वर ने हमें दूसरों की सहायता करने के लिए जन्म दिया है। हमें ईश्वर ने बनाया है। अतः उनकी संतान (मानव) की सेवा करना हम सबका कर्त्तव्य है। इसलिए भगवान का यश गानेवाले, मंत्र पढनेवाले होठों से गरीब, दीन-दुखियो की सेवा करने वाले हाथ ही अच्छे है। पवित्र है। धार्मिक स्थानों में प्रार्थना करने से बेहतर है कि हम समाज से बाहर निकलकर दुखियो की सेवा करें।

*****

sakshieducation.com